CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

प्राचीन लिपि वर्णमाला

72

561

सूर्य मूर्ति :—
सौगल, ललितपुर

श्री ५ को सरकार
पुरातत्त्व र संस्कृति विभाग
नेपाल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

धनवज्र वज्राचार्य

(संशोधनमण्डलको सदस्य)

काठमाडौं, मध्यबौद्ध.

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पुरातत्त्व प्रकाशन माला ३

प्राचीन लिपि वर्णमाला

पं० शङ्करमान राजवंशीद्वारा
सम्पादित

प्रकाशक :
श्री ५ को सरकार, पुरातत्त्व र संस्कृति विभाग
नेपाल

प्रकाशक :
श्री ५ को सरकार
पुरातत्त्व र संस्कृति विभाग
नेपाल

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्रथम संस्करण
वि० सं० २०१७

5611

मूल्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

दुई शब्द

नेपाल अधिराज्यभित्र विभिन्न प्राचीन लिपिमा लेखिएका सामग्री भएका कीर्ति-स्तम्भ, सुवर्ण-पत्र, ताम्र-पत्र, ताड़-पत्र, काष्ठ-पत्र, इष्टिका-पत्र, भुर्जा-पत्र, हस्तलिखित पुस्तक र अनेक कागजातहरू यत्र-तत्र प्रसस्त छरिएका पाइन्छन्। यी सव महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सामग्रीहरूको अन्वेषण, अध्ययन र अनुसन्धान निमित्त प्राचीन लिपिको ज्ञान हुनु अत्यावश्यक छ। यसै अभावको पूर्तिका निमित्त विभिन्न लिपि माला प्रकाश गर्ने तर्जुमा गरिएको हो। आशा छ, यी पुस्तिकाहरू पुरातत्त्व प्रेमी सवै महानुभाव र विद्यार्थीहरूका लागि उपयोगी सिद्ध हुने छन्।

श्री ५ को सरकार
पुरातत्त्व र संस्कृति विभाग
नेपाल
२०१७ आषाढ़ ३०

सत्यमोहन जोशी
डाइरेक्टर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

विषय-सूची

क्रम	विवरण	पृष्ठ
	नेवारी अक्षरको वर्णमाला	
१	स्वरवर्ण र व्यञ्जनवर्ण	१
२	स्वरसंयोगवर्ण र स्वरसंयोगमा विशेष	२
३	ऋकारान्त व्यञ्जनवर्ण र यसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण	३
४	रसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण र मसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण	४
५	वर्गपञ्चमयुक्त व्यञ्जनवर्ण र रेफयुक्त व्यञ्जनवर्ण	५
६	मिश्रवर्ण र संख्या	६
७	जयप्रकाशको नामापत्र	७
	रञ्जनाक्षरको वर्णमाला	
८	स्वरवर्ण र व्यञ्जनवर्ण	८
९	स्वरसंयोगमा विशेष	९
१०	ऋकारान्त व्यञ्जनवर्ण र यसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण	१०
११	रसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण र मसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण	११
१२	रेफयुक्त व्यञ्जनवर्ण र वर्गपञ्चमयुक्त व्यञ्जनवर्ण	१२

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

१३	मिश्रवर्ण र संख्या	१३
१४	अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता	१४

भुजिँमोल अक्षरको वर्णमाला

१५	स्वरवर्ण र व्यञ्जनवर्ण	१५
१६	स्वरसंयोगवर्ण र स्वरसंयोगमा विशेष	१६
१७	यसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण र मिश्रवर्ण	१७
१८	संख्या	१८
१९	पञ्चरक्षा	१९

उत्तरलिच्छवि अक्षरको वर्णमाला

२०	स्वरवर्ण र व्यञ्जनवर्ण	२०
२१	स्वरसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण र स्वरसंयोगमा विशेष	२१
२२	यसंयुक्त व्यञ्जनवर्ण र मिश्रवर्ण	२२
२३	संख्या र पशुपतिको द्वितीय जयदेवको अभिलेख	२३-२४

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

क्रम	विवरण	पृष्ठ
	परिशिष्ट	
२४	किरातलिपिको वर्णमाला	२५-२८
	मिथिलाक्षर वर्णमाला	
२५	स्वरवर्ण र व्यञ्जनवर्ण	२९
२६	स्वरसंयुक्त व्यञ्जन	३०
२७	संयुक्ताक्षरवर्ण	३१
२८	संख्या	३२

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पाको कागतमा लेखिएका प्राचीन ग्रन्थमा

पाइने नेवारी अक्षरको

वर्णमाला

(स्वरवर्ण)

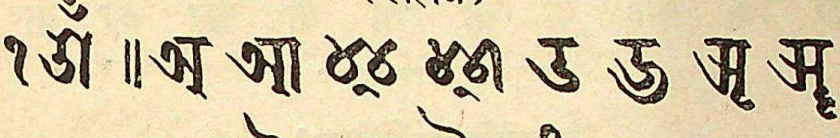

१ॐ॥ अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

[व्यञ्जनवर्ण]

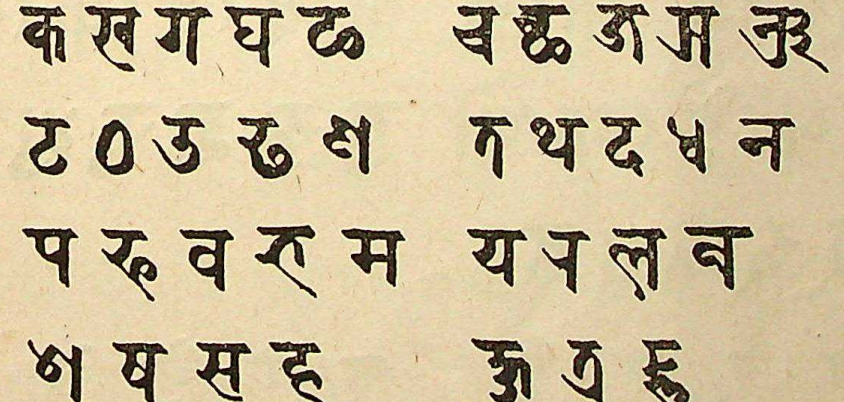

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व
श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

(स्वरसंयोगवर्ण)

क का कि की कृ कॄ कॅ के का को कं कः

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

[स्वरसंयोगमात्रा विशेष]

ग्ा ग्ि ग्ी ग्ु ग्ू ग्ृ ग्ॄ ग्ॅ ग्े ग्ै ग्ो ग्ौ

ठ ठ ठ ठ ठ ण्ा ण्ि ण्ी ण्ु ण्ू

थ थ थ थ थ ध्ा ध्ि ध्ी ध्ु ध्ू

श्ा श्ि श्ी श्ु श्ू ह्ा ह्ि ह्ी ह्ु ह्ू

ग्ा ग्े ग्ै ग्ो ग्ौ आ अे अै ओ औ

ठा ठे ठै ठो ठौ णा णे णै णो णौ

था थे थै थो थौ धा धे धै धो धौ

श्ा श्े श्ै श्ो श्ौ तु फु जु भु शु हु

ज्ञ त्र क्ष भ्र ग्र ह्न

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[ऋकारान्तव्यञ्जनवर्ण]

कृ खृ गृ घृ ङृ चृ छृ जृ झृ ञृ
टृ ठृ डृ ढृ णृ तृ थृ दृ धृ नृ
पृ फृ बृ भृ मृ यृ रृ लृ हृ

क्रु ख्रु ग्रु घ्रु ङ्रु च्रु छ्रु ज्रु झ्रु ञ्रु
ट्रु ठ्रु ड्रु ढ्रु ण्रु त्रु थ्रु द्रु ध्रु न्रु
प्रु फ्रु ब्रु भ्रु म्रु य्रु र्रु ल्रु ह्रु

[यसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

क्य ख्य ग्य घ्य ङ्य च्य छ्य ज्य झ्य ञ्य
ट्य ठ्य ड्य ढ्य ण्य त्य थ्य द्य ध्य न्य
प्य फ्य ब्य भ्य म्य य्य र्य ल्य श्य ष्य
स्य ह्य क्ष्य व्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[रसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

क्क ख्य ग्ग घ्र ङ्क ङ्क ङ्ग ङ्म ङ्ख
ट्ट ण्ड ड्ड ढ्ढ ण्ण त्त थ्य द्ध ध्व न्न
प्र फ्र ब्ब भ्र म्म य्य ल्ल व्व श्र ष्ठ स्र
स्र ह्म

क्र ख्र ग्र घ्र ङ्र च्र छ्र ज्र झ्र ञ्र
ट्र ठ्र ड्र ढ्र ण्र त्र थ्र द्र ध्र न्र
प्र फ्र ब्र भ्र म्र य्र ल्र व्र श्र ष्र
स्र ह्र

[म्संयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

क्म ख्म ग्म घ्म ङ्म च्म छ्म ज्म झ्म
ट्म ठ्म ड्म ढ्म ण्म त्म थ्म द्म ध्म न्म
प्म फ्म ब्म भ्म म्म य्म ल्म व्म श्म
ष्म स्म ह्म

क्ष ख्य ग्ग घ्र ङ्क च्य छ्य ज्य झ्य
ट्ट ठ्य ड्ड ढ्ढ ण्ण त्य थ्य द्य ध्य न्य
प्य फ्य ब्य भ्य म्य य्य ल्य व्य श्य
ष्य स्य ह्य

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

[वर्गपञ्चमयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

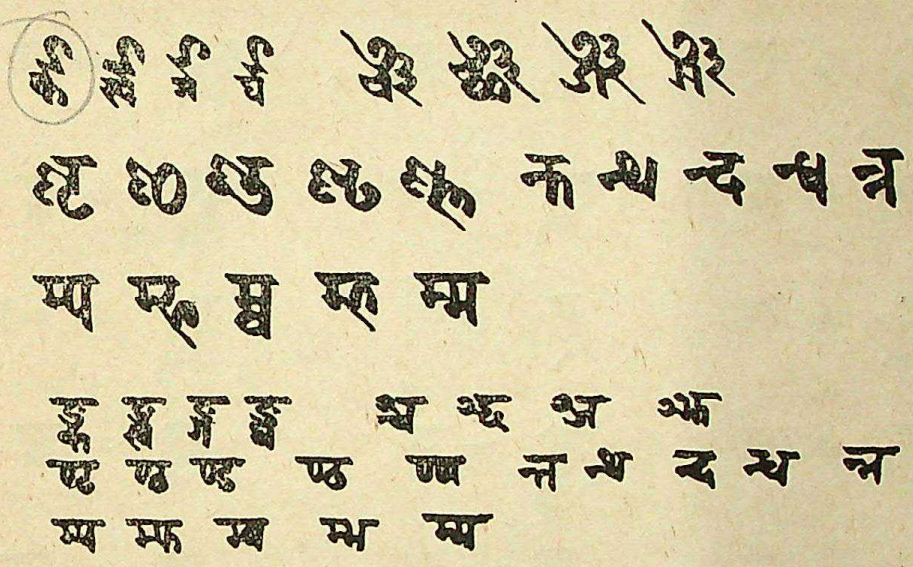

[रेफयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

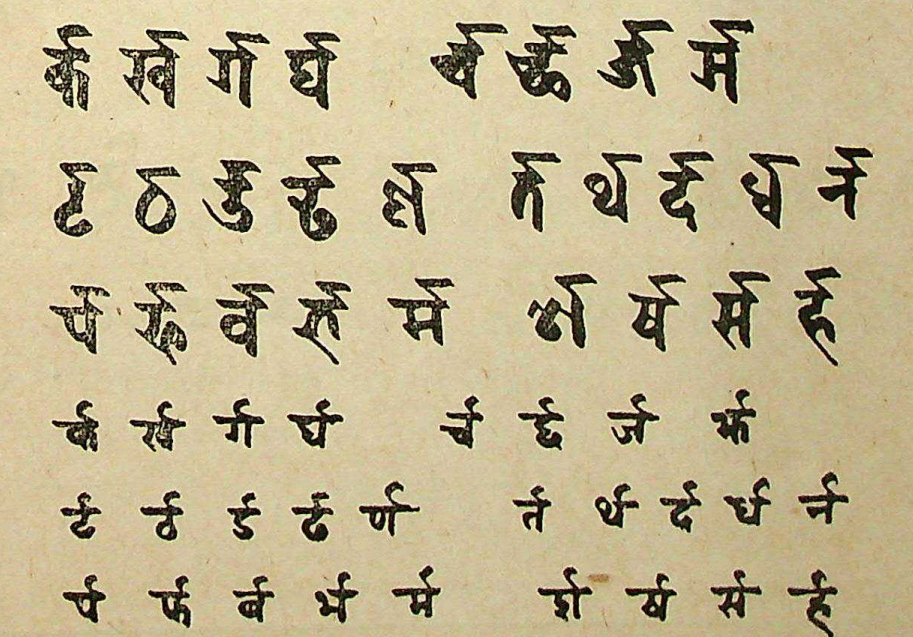

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

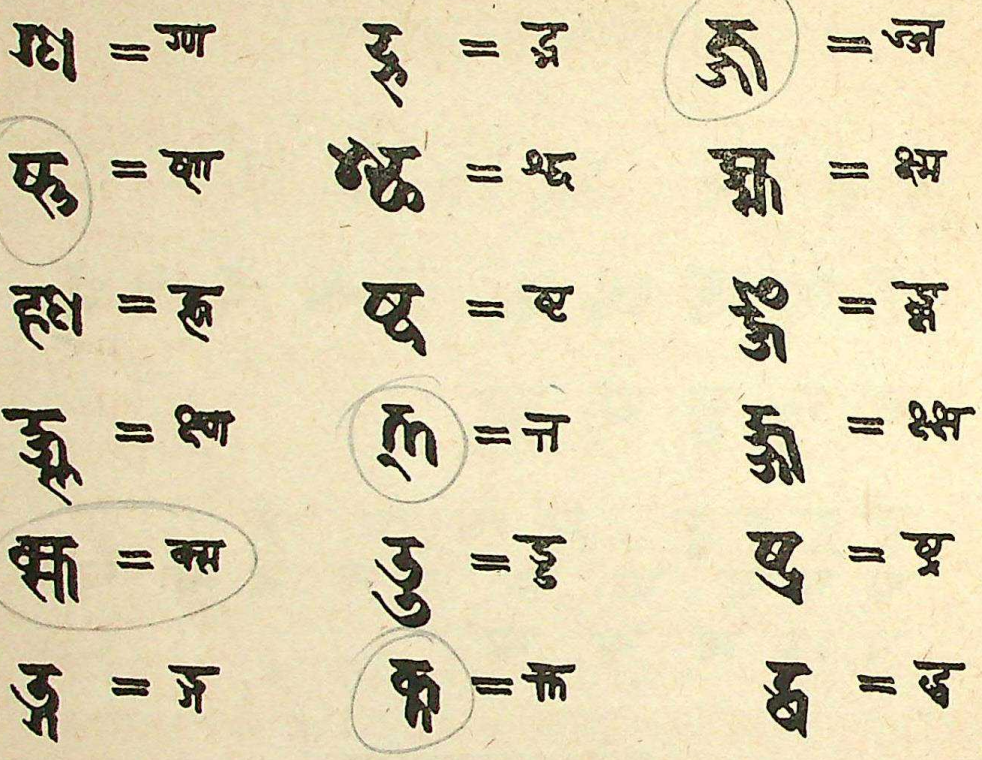

[संख्या]

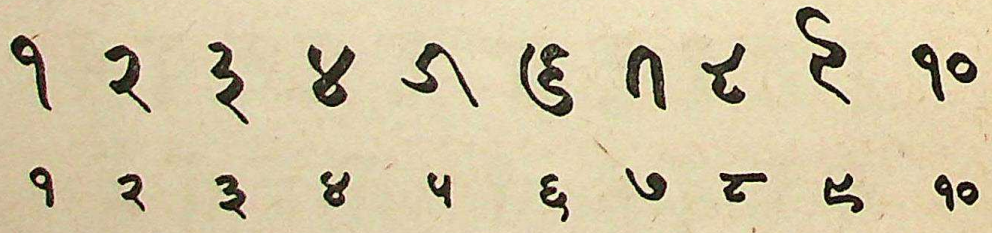

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

जयपुरका राजाको नामापत्र

१स्वस्ति ॥श्रीमत्यशुपतिचरनकमरधूलिधूसरितशिरोरूहश्रीमन्माणे
श्वरीष्टदेवतावरलब्धप्रसाददेदीप्यमानमनोन्नतश्रीरघुवंशावतार
रविकूलतिलकहनूमद्भजनपालेश्वरमहाराजाधिराजराजराजेन्द्रमक
रराजचक्राधीश्वरनिजेष्टदेवदेवेश्वरीकृपाकटाक्षवीरतविक्रमोपा
र्जितवारणकरसमूद्भूतगजेन्द्रयतिश्रीश्रीजयप्रकाशमल्लदेवपरम
भट्टारकदेवानांसदासमरविजयिनांप्रभुथाकूलसनकथजोलसचोड
श्रीपूरन्धअधिकारिनामेप्रसादीकृतंन्यामिल्यारेखलकर्षनामसंज्ञकंश्रीराज
भूम्याःपूर्वदक्षिणपश्चिमउत्तरतो॥एतेषांमध्येथतेचाघातनदुन्यामिल्यारेखल
पंचचारीशाकर्षपरिमितक्षेत्रांकतोपिरेखलकर्ष४५ततःक्षेत्रस्यय
थादेशाकारप्रवर्त्तमानसंचारार्घेनसुवर्णमूल्यशीतिटंकाधिकद्विशतश्रीजय
प्रकाशमल्लीटंका२३०मादायवस्तुकंन्यायनकीक्रिक्रीटंभवति॥एवंतहस्ता
रयातखर्च्चेहिदवार॥अत्रपत्रार्थेदत्तसाक्षिश्रीश्रीराजप्रकाशमल्लदेवसंवत्८५६पौषशुदि६देहिकर्ष
२घस्यालिकर्ष२कंओल्यानिसुभ॥

(पु॰ संधि॰ संग्रह)

ॐस्वस्ति ॥श्रीमत्यशुपतिचरनकमरधूलिधूसरितशिरोरूहश्रीमन्माणेश्वरीष्टदेवतावरलब्ध
प्रसाददेदीप्यमानमनोन्नतश्रीरघुवंशावताररविकूलतिलकहनूमद्भजनेपालेश्वरमहारा
जाधिराजराजराजेन्द्रमकरराजचक्राधीश्वरनिजेष्टदेवदेवेश्वरीकृपाकटाक्षवीरतविक्रमोपा
र्जितवारणकरसमूद्भूतगजेन्द्रयतिश्रीश्रीजयप्रकाशमल्लदेवपरम भट्टारकदेवानां
सदासमरविजयिनांप्रभुथाकूलसनकथजोलसचोडश्रीपूरन्धअधिकारिनामेप्रसादीकृतं
न्यामिल्यारेखलकर्षनामसंज्ञकंश्रीराजभूम्याः पूर्वदक्षिणपश्चिमउत्तरतो॥एतेषांमध्ये
थतेचाघातनदुन्यामिल्यारेखलपंचचारीशाकर्षपरिमितक्षेत्रांकतोपिरेखलकर्ष४५ततः
क्षेत्रस्यथादेशाकारप्रवर्त्तमानसंचारार्घेनसुवर्णमूल्यशीतिटंकाधिकद्विशतश्रीजय
प्रकाशमल्लीटंका२३०मादायवस्तुकंन्यायनकीक्रिक्रीटंभवति॥एवंतहस्तारयातखर्च्चे
हिदवार॥अत्रपत्रार्थेदत्तसाक्षिश्रीश्रीराजप्रकाशमल्लदेवसंवत्८५६पौषशुदि६देहिकर्ष
२घस्यालिकर्ष२कंओल्यानिसुभ॥

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाको कागतमा लेखिएका प्राचीन ग्रन्थहरूमा
पाइने रञ्जनाक्षरको वर्णमाला

[स्वरवर्ण]

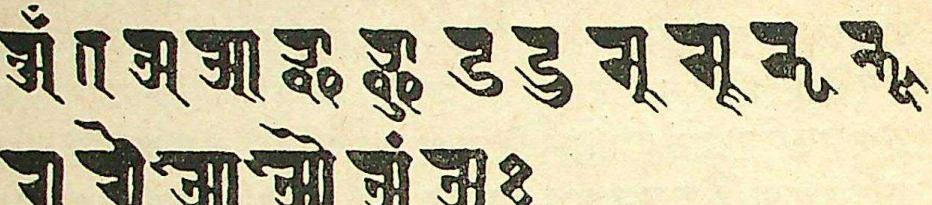

ॐ ॥ अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ
ए ऐ ओ औ अं अः

[व्यञ्जनवर्ण]

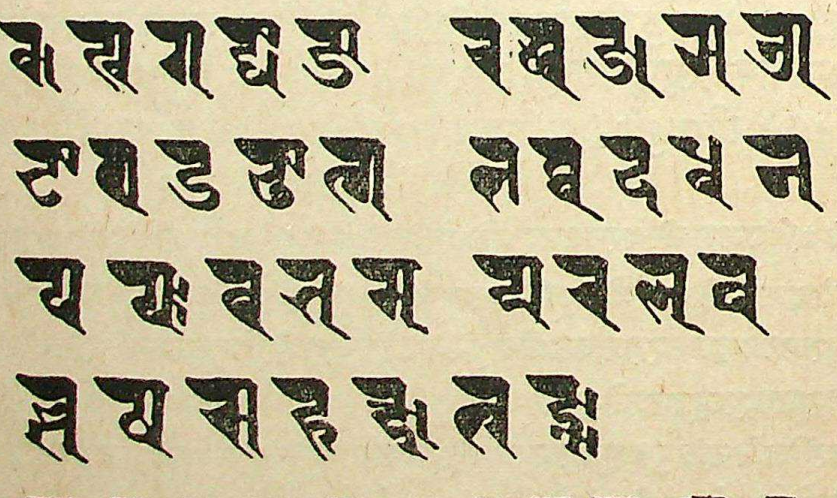

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व
श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

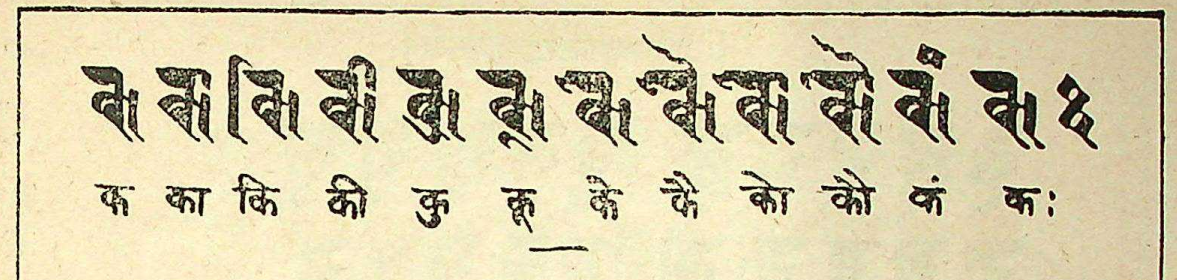

[स्वरसंयोगमा विशेष]

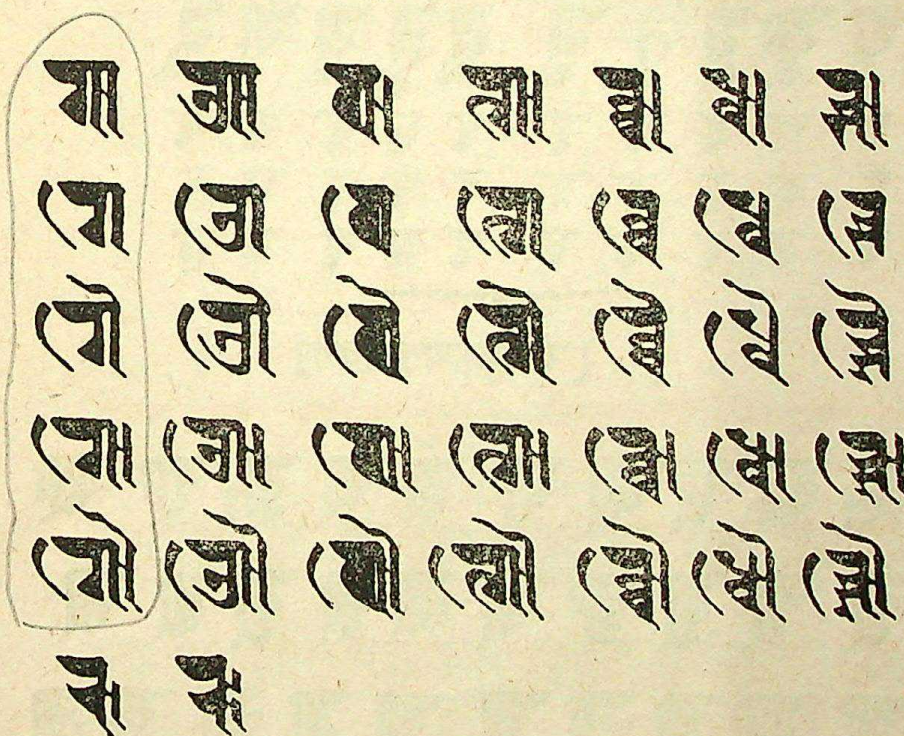

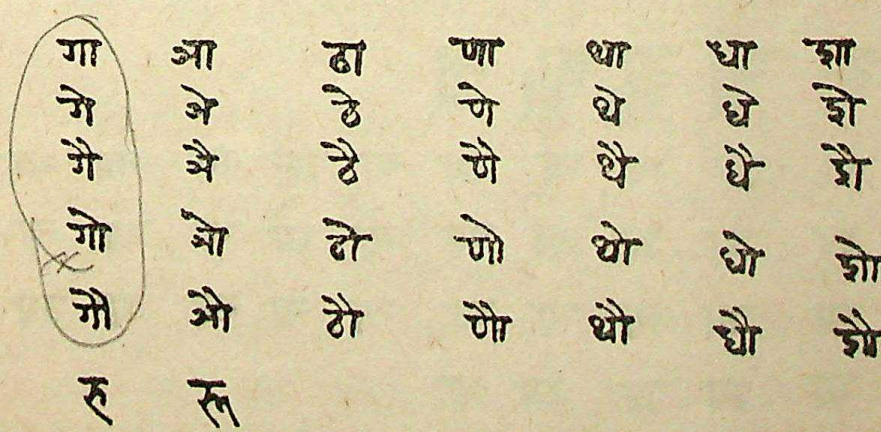

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[स्वराश्रितव्यञ्जनवर्ण]

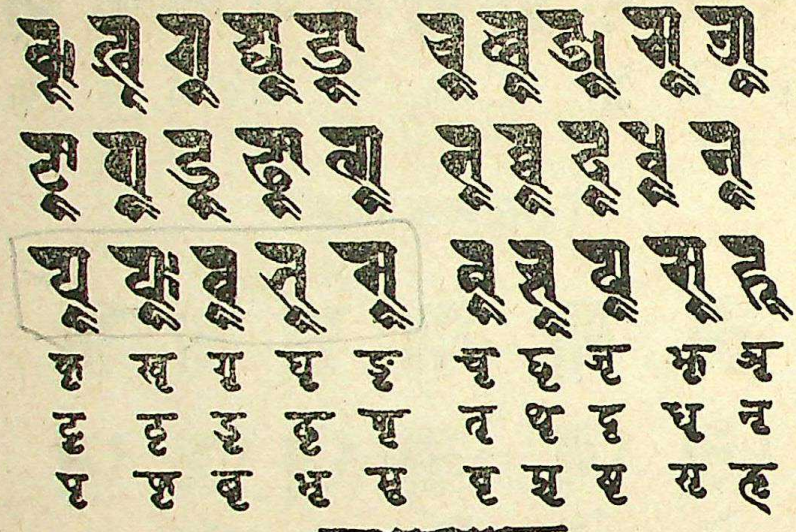

[यसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

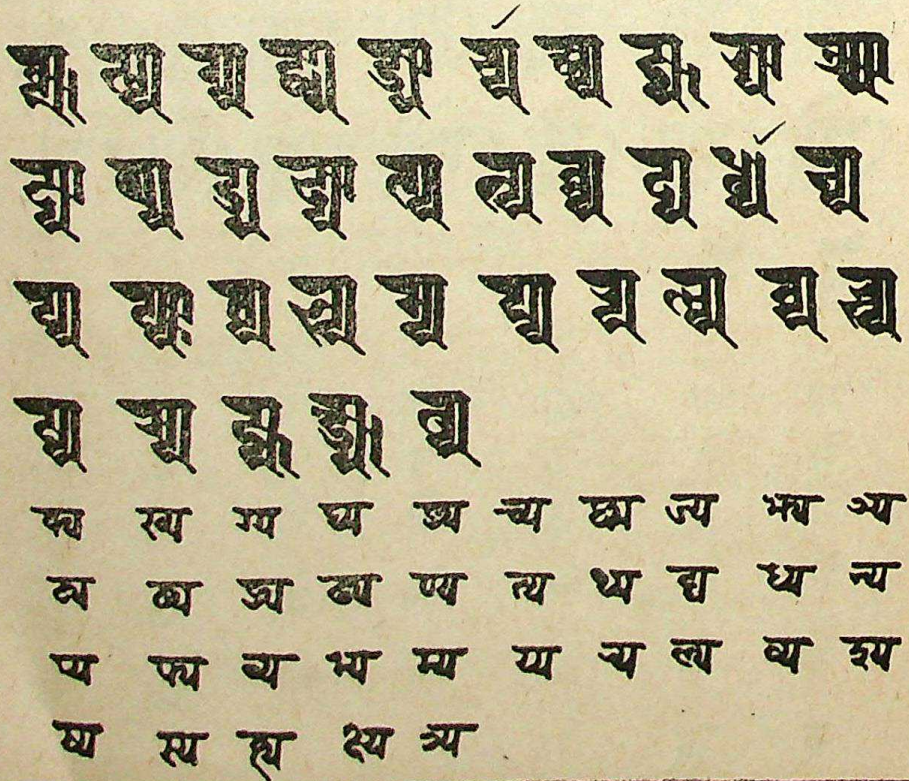

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

[संयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व
श ष स ह

[संयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

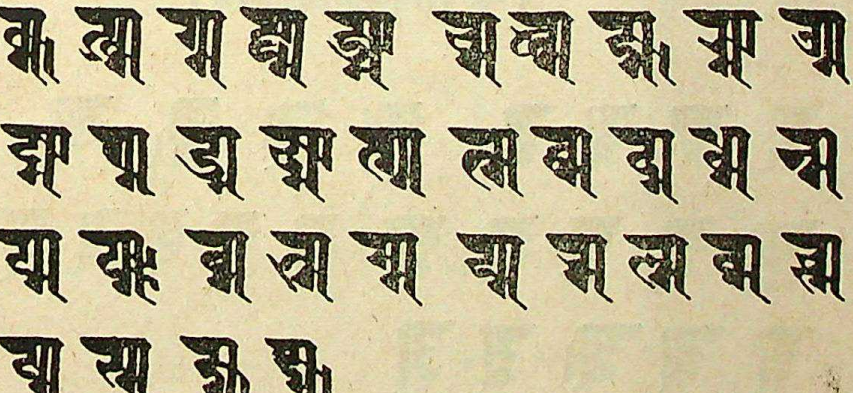

क्क ख्य ग्म घ्न ङ्क च्च छ्य ज्ज झ्म ञ्ञ
ट्ट ठ्ठ ड्ड ढ्ढ ण्ण त्न थ्म द्ध ध्न न्म
प्प फ्म ब्ब भ्भ म्म य्य र्ज ल्ल व्य श्म
ष्ष स्म ह्म क्ष्म

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[रेफयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

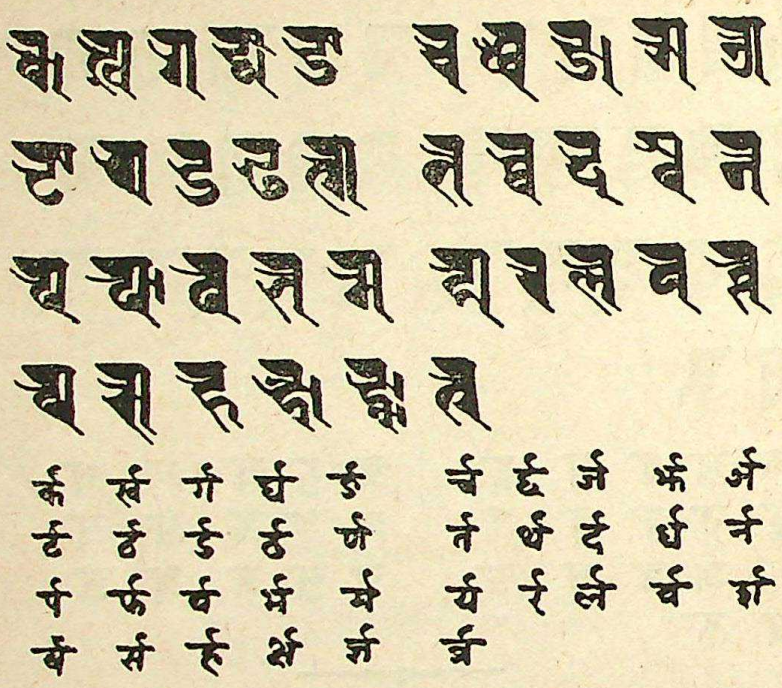

[वर्गपञ्चमयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

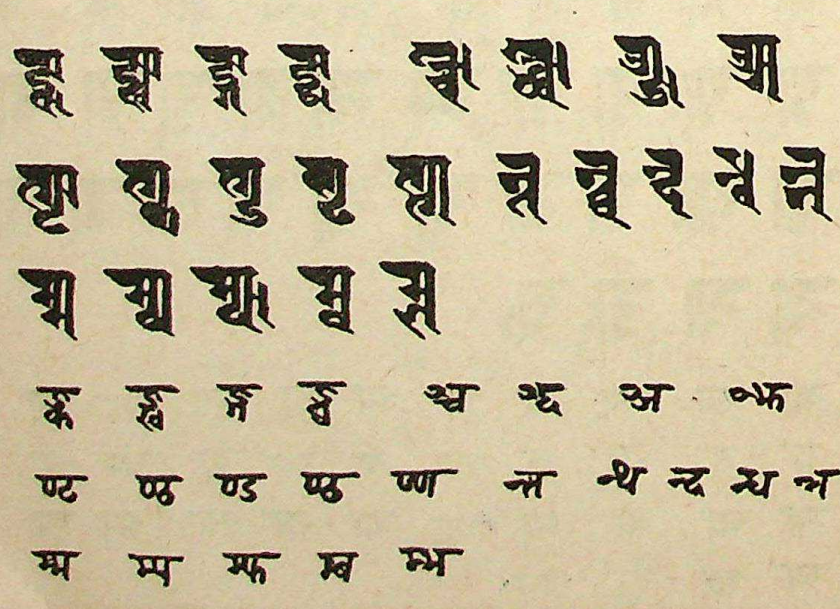

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

[मिश्रवर्ण]

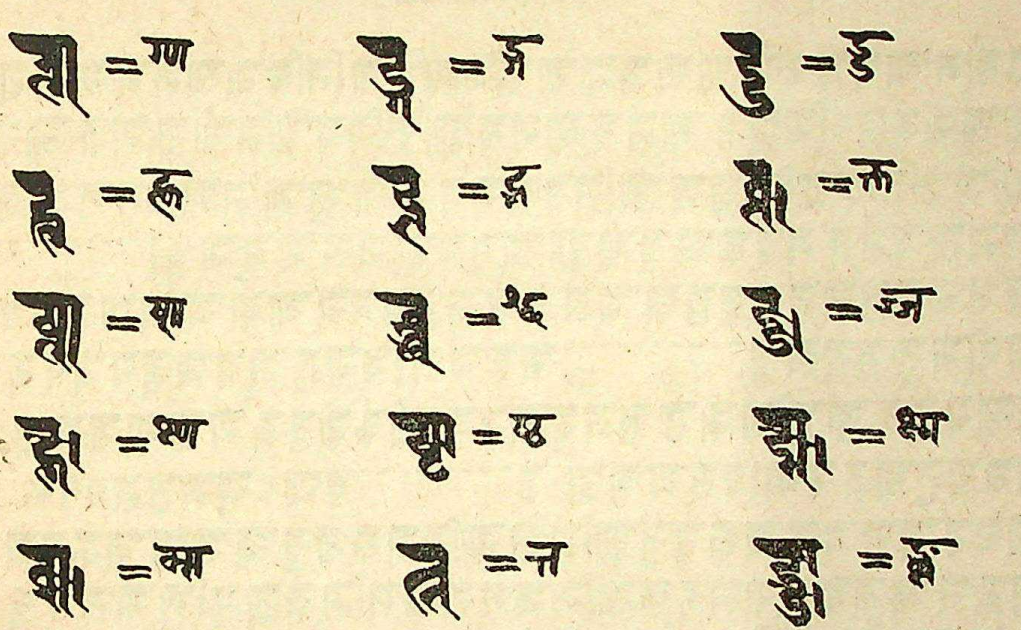

[संख्या]

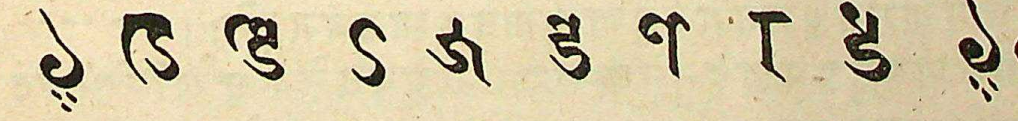

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता

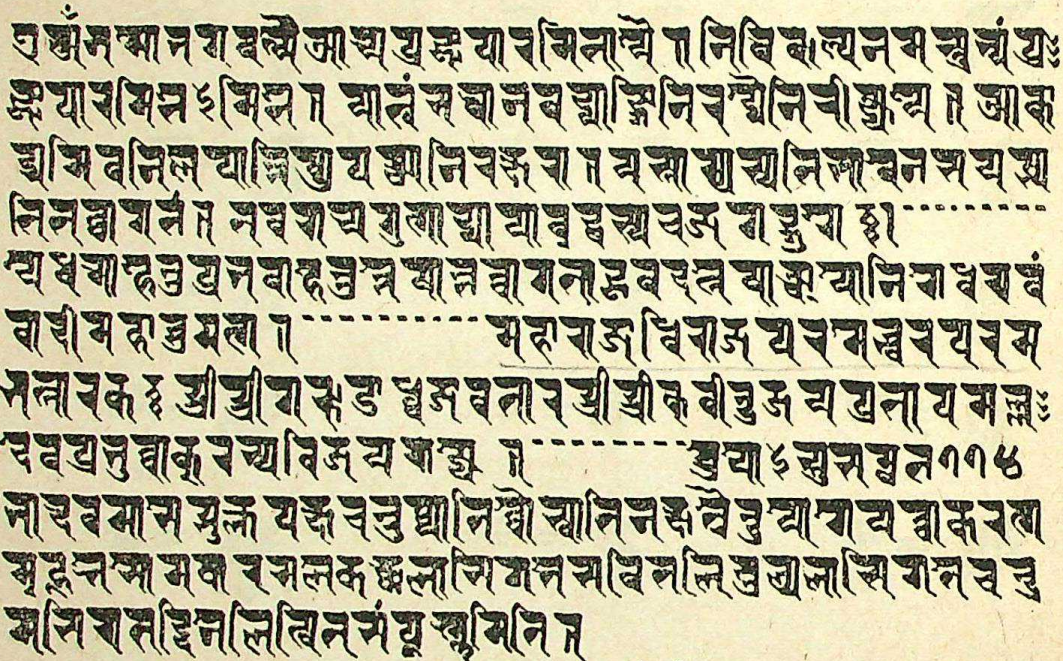

[वीरपुस्तकालय सं० १।७१२]

ॐनमोभगवत्यै आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥ निर्विकल्पनमस्तुभ्यं प्रज्ञापारमिते ऽमिते ॥ यात्वंसर्वानवद्यार्हि निरयै निरीक्षये ॥ आकाशमिवनिर्लेपा निष्प्रपञ्चानिरक्षरा ॥ यस्तामात्मेतिभावेन सयस्य तितथागतं ॥ तवरार्यगुणाद्याया बुद्धस्यचजगद्गुरोः । ..... येधर्महेतुप्रभवा हेतुंतेषांतथागताह्यवदत्तेयाञ्चयोनिरोधएवं वादीमहाश्रमण ॥ ..... महाराजाधिराजपरमेश्वरपरम भट्टारकः श्रीश्रीगरुडध्वजावतार श्रीश्रीकवीन्द्रजयप्रतापमल्ल देवप्रभुथाकुरस्यविजयराज्ये ॥ ..... श्रेयोऽस्तुसम्वत ७७४ भाद्रवमासेशुक्लपक्षचतुर्थ्यांतिथौस्वातिनक्षत्रेन्द्रयोगेयथाकरण मुहूर्तेसोमवारसलेककुलासिगतेसवितलिलुल्यलासिगतेचन्द्र मसिएतद्दिनेलिखितसंपूर्णमिति ॥

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

नाउपत्रमा लेखिएका प्राचीन ग्रन्थमा पाइने
भुजिमोल अक्षरको वर्णमाला

(स्वरवर्ण)

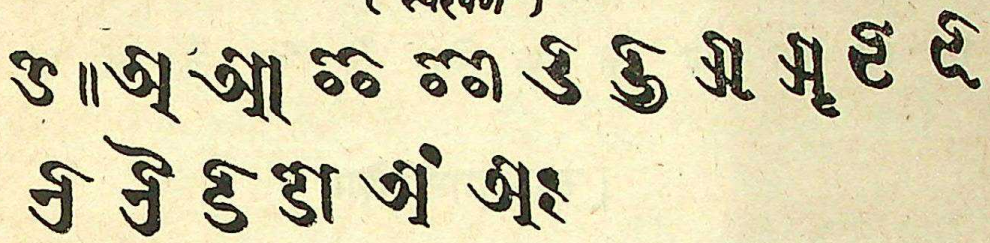

ॐ ॥ अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ
ए ऐ ओ औ अं अः

(व्यञ्जनवर्ण)

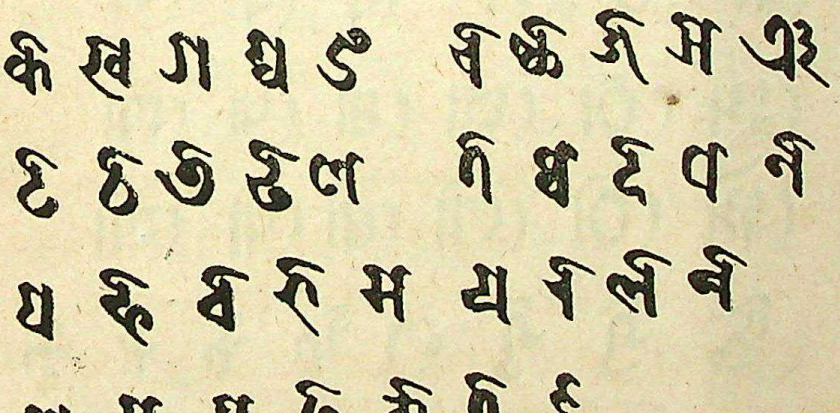

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व
श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[स्वरसंयोगवर्ण]

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

[स्वरसंयोगमाविशेष]

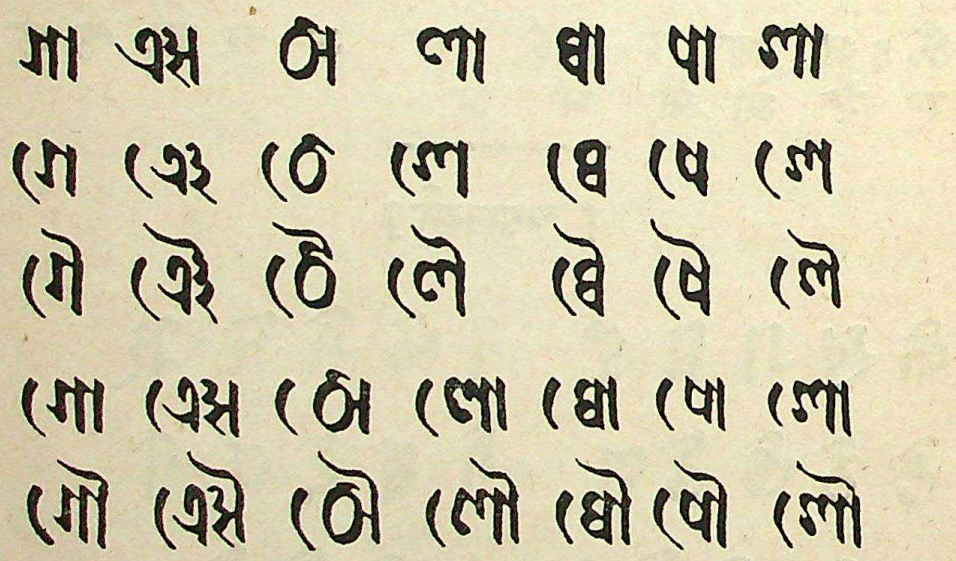

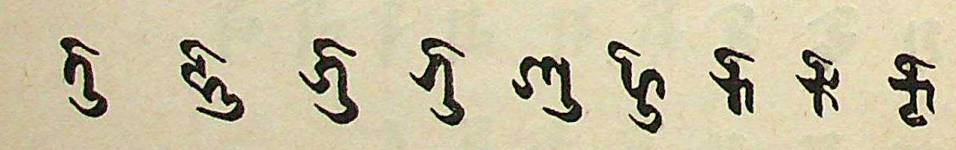

ग गा गि गी गु गू गे गै गो गौ गं गः

ग गा गि गी गु गू गे गै गो गौ गं गः

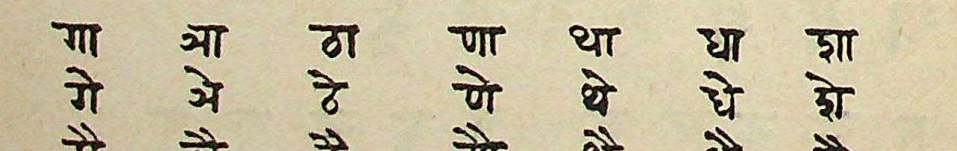

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

[यसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

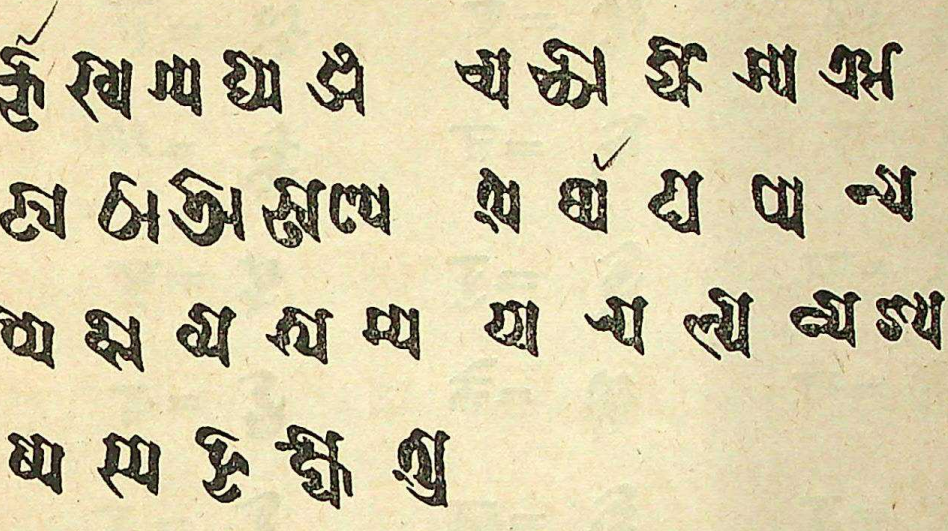

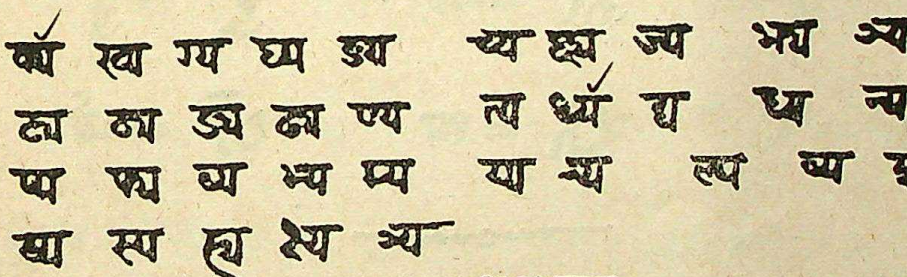

[मिश्रवर्ण]

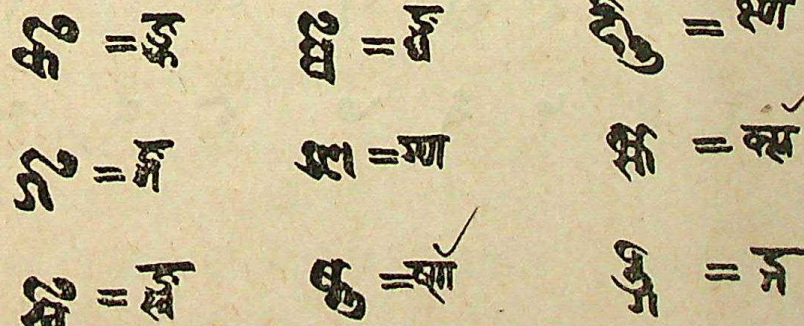

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्राचीन लिपि वर्णमाला

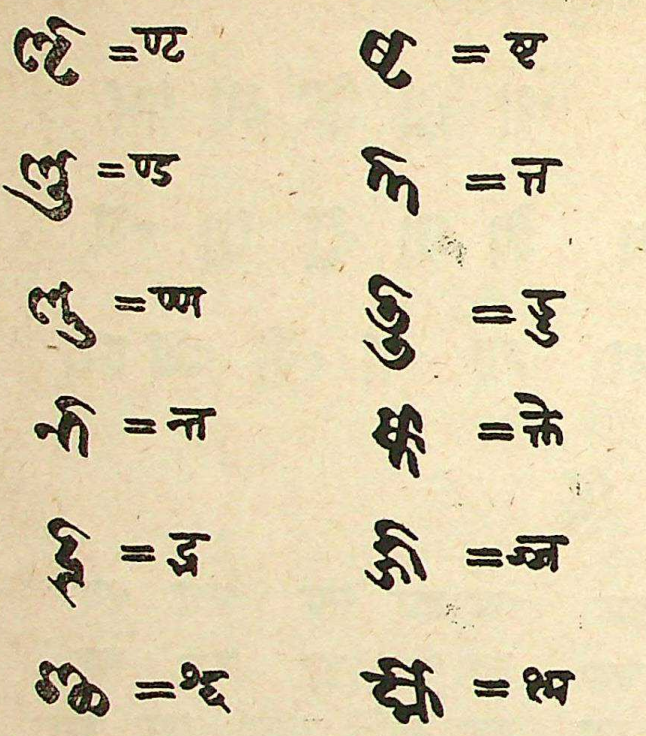

[संख्या]

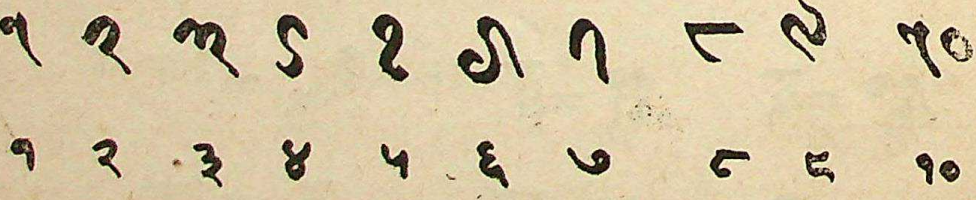

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पञ्चरक्षा

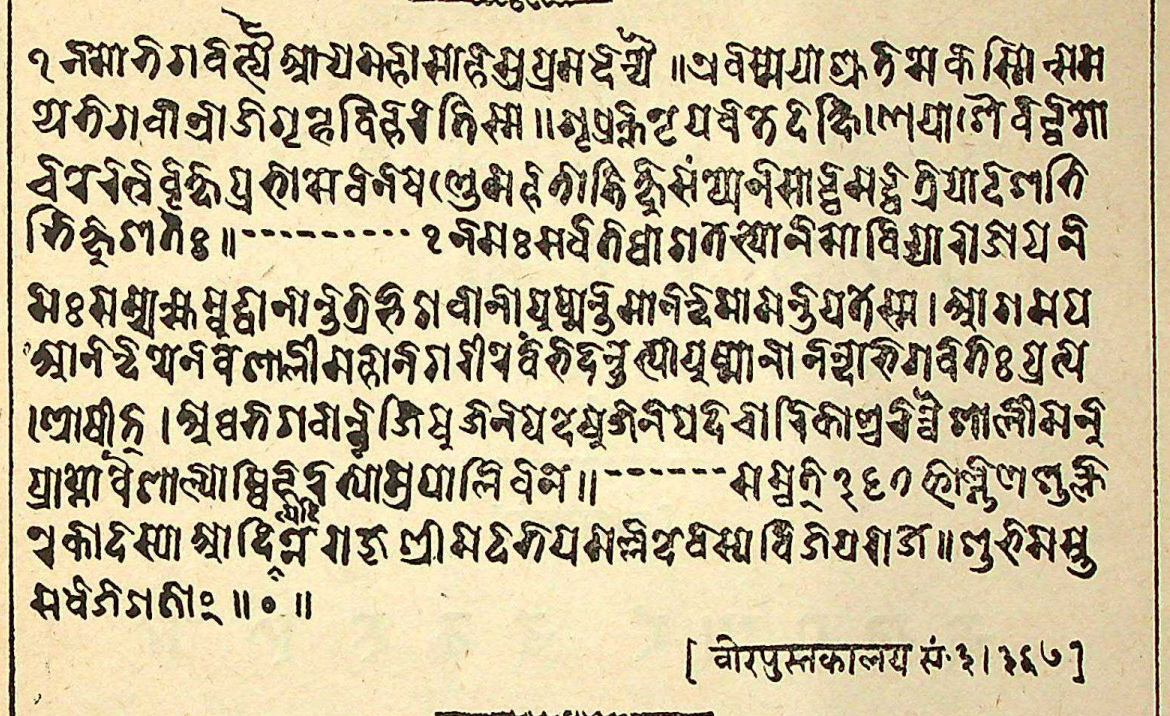

[वीरपुस्तकालय सं० १। १६७]

ॐ नमो भगवत्यै आर्यमहासाहस्रप्रदर्त्यै ॥ एवमया श्रुतमेकस्मिन्समये भगवान्राजगृहे विहरतिस्म ॥ गृध्रकूटे पर्वते दक्षिणे पार्श्वे वङ्गो चरे रत्नवृक्षप्रभासे वनषण्डे महताभिक्षुसंघेन सार्द्धमर्द्धत्रयोदशभिर्भिक्षुशतैः ॥ ------ ॐ नमः सर्वतथागतेभ्यो नमो विद्याराज्ञायनमः सम्यक्संबुद्धानान्तत्र भगवानायुष्मन्तमानन्दमामन्त्रयतेस्म। आगमय आनन्द येनवैशाली महानगरी रेवं भदन्तेत्यायुष्मानानन्दो भगवतः प्रत्यश्रोषीत्। अथ भगवान्वृजिषु जनपदेषु जनपदचारिकाञ्चरन्वैशालीमनुप्राप्तोवैशाल्यामिहरत्यामुपालिवने ॥ ------ सम्वत् १६७ फाल्गुण शुक्ल रेकादस्यां आदित्यदिने राज्ये श्रीमदभयमल्लदेवस्य विजयराजे ॥ शुभमस्तु सर्वजगताम् ॥ ० ॥

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ताडपत्रमा लेखिएका प्राचीन ग्रन्थमा पाइने
उत्तरलिच्छविअक्षरको वर्णमाला

[स्वरवर्ण]

ॐ ॥ अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

ॐ ॥ अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
ए ऐ ओ औ अं अः

[व्यञ्जनवर्ण]

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व श
ष स ह क्ष त्र ज्ञ

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व श
ष स ह क्ष त्र ज्ञ

टिप्पणी—अगिल्ला लिच्छविकालको लिपिलाई गुप्तालिपि र पछिल्ला लिच्छविकालको लिपिलाई कुटिला लिपि भनी व्यवहार गरिआएको थियो। अब देखि गुप्तालिपिलाई पूर्वलिच्छवि लिपि र कुटिला लिपिलाई उत्तरलिच्छवि लिपि भन्ने भनी श्री ५ को सरकार पुरातत्त्व तथा संस्कृति विभागबाट निर्णय भएकोले यहाँ कुटिला भनिलाई उत्तरलिच्छवि अक्षर भनी लेखिएको

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[स्वरसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

[स्वरसंयोगापविशेष]

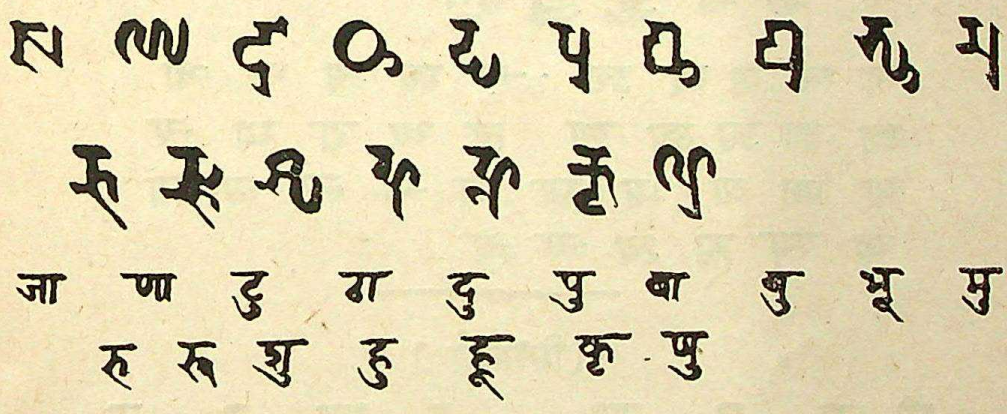

जा ण ड ग ढ प ब भ म

र रू श ड ह क प

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[यसंयुक्तव्यञ्जनवर्ण]

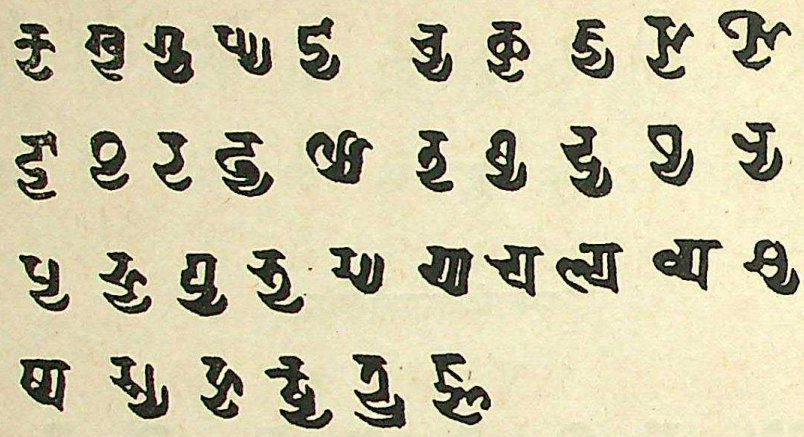

क्क ख्व ग्ग घ्य ङ्ग च्च ज्य ञ्ज ट्ट ड्य
ट्य ठ्य ड्ड ढ्य प्प त्य थ्य द्य ध्य न्य
प्य फ्य ब्य भ्य म्य य्य र्य ल्य व्य श्य
ष्य स्य ह्म क्ष त्र ज्ञ

[मिश्रवर्ण]

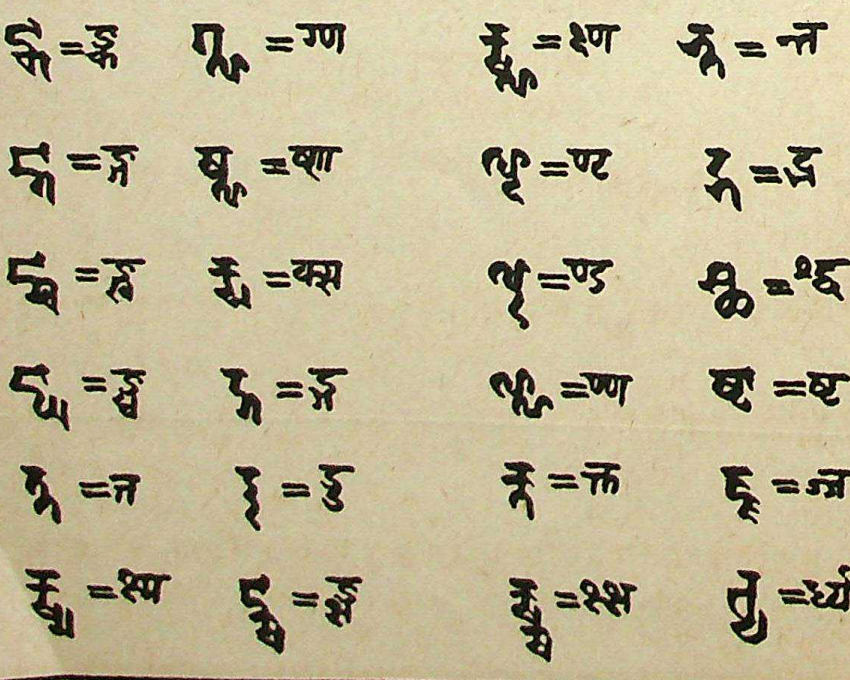

क्ष=क्ष ग्ण=ग्ण क्ष्ण=क्ष्ण न्त=न्त
ङ्ग=ङ्ग ष्ण=ष्ण ण्ट=ण्ट ड्र=ड्र
ह्न=ह्न क्ष्म=क्ष्म ण्ठ=ण्ठ ष्ठ=ष्ठ
ह्म=ह्म ङ्क=ङ्क ण्ण=ण्ण ष्ट=ष्ट
न्न=न्न ङ्ख=ङ्ख न्क=न्क ङ्ग्र=ङ्ग्र
क्ष्य=क्ष्य ङ्घ=ङ्घ क्ष्म=क्ष्म र्ध्य=र्ध्य

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[संख्या]

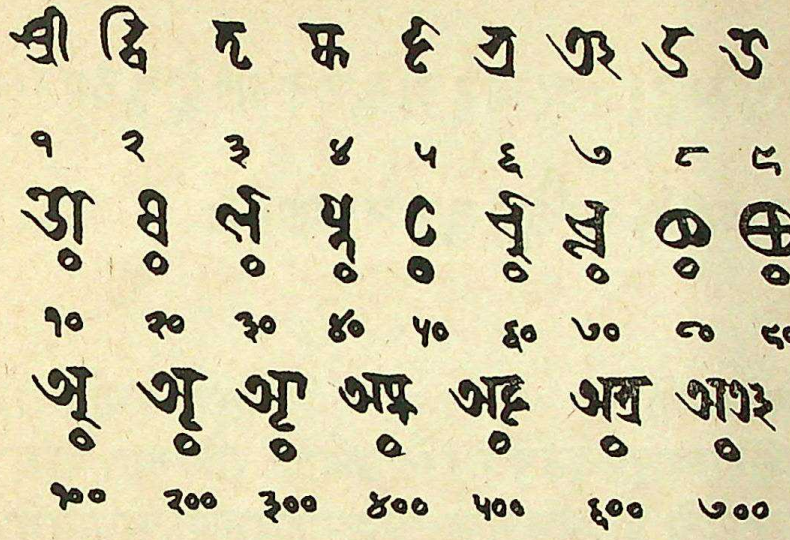

पशुपतिको द्वितीय जयदेवको
अभिलेखबाट

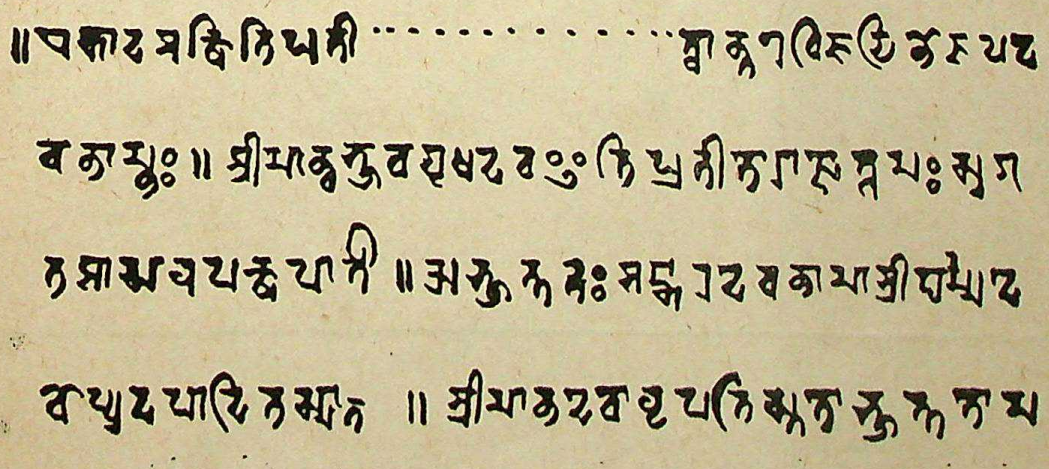

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

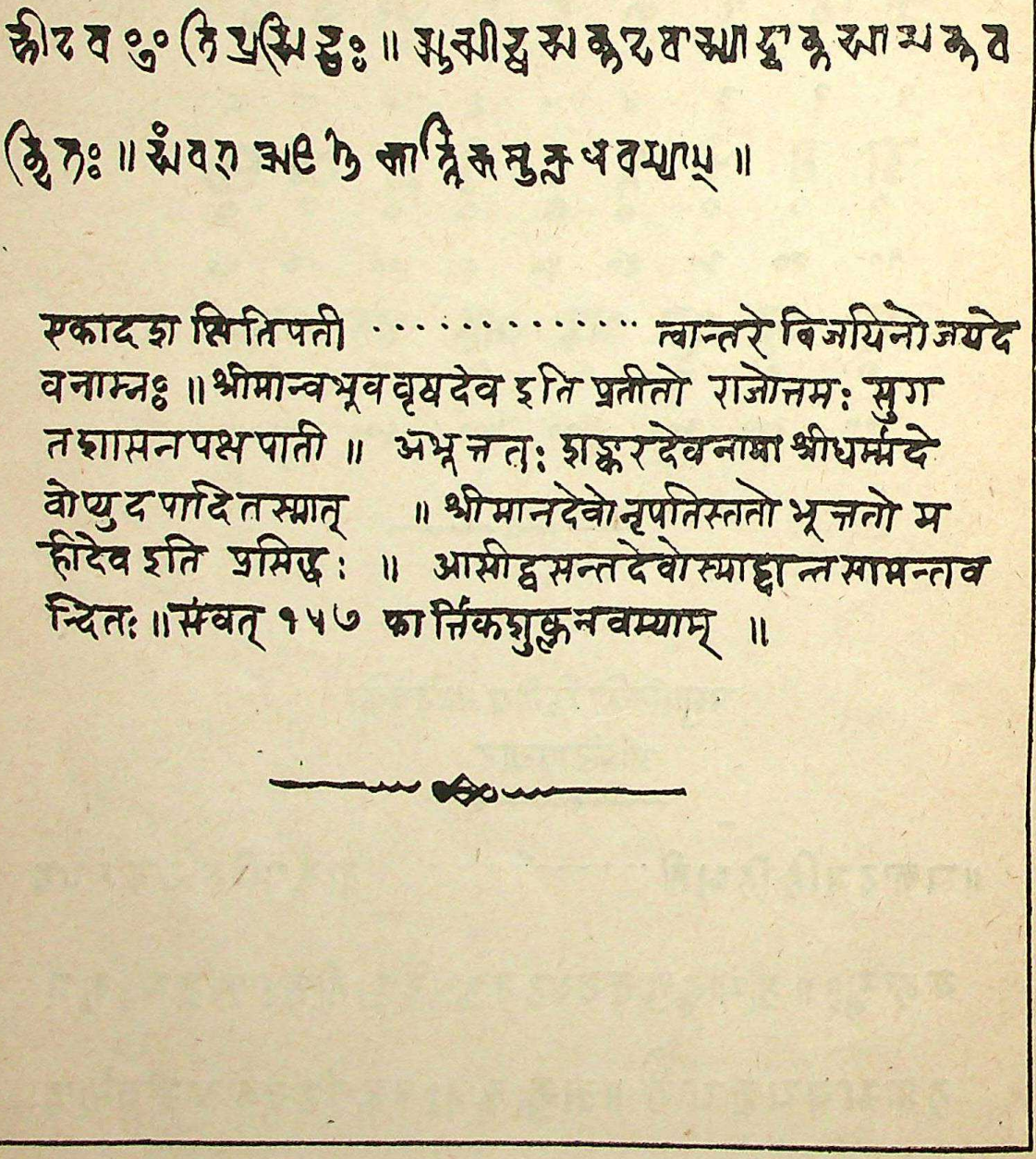

एकादश क्षितिपती ..... त्वान्तरे विजयिनो जयदेव नाम्नः ॥ श्रीमान्बभूव वृषदेव इति प्रतीतो राजोत्तमः सुगतशासनपक्षपाती ॥ अभूत्ततः शङ्करदेवनामा श्रीधर्म्मदेवोयुदपादितस्मात् ॥ श्रीमानदेवो नृपतिस्ततो भूत्ततो महीदेव इति प्रसिद्धः ॥ आसीद्वसन्तदेवोस्याद्धान्तसामन्तवन्दितः ॥ संवत् १५७ कार्त्तिकशुक्लनवम्याम् ॥

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

[परिशिष्ट]

किरातलिपिकोवर्णमाला

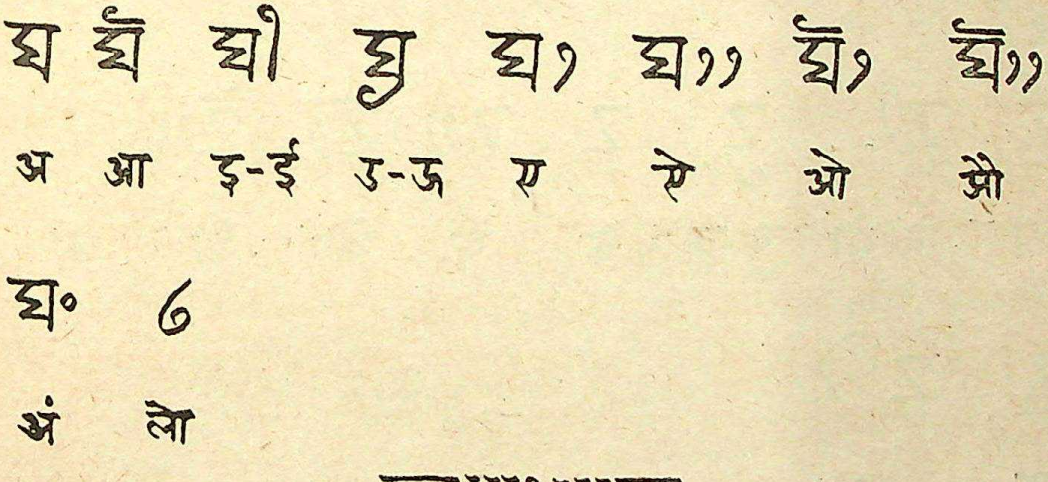

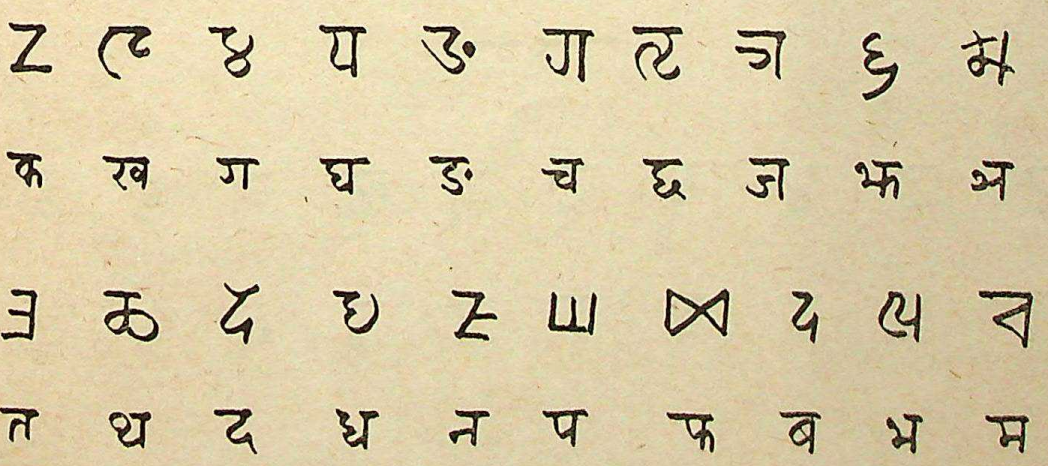

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

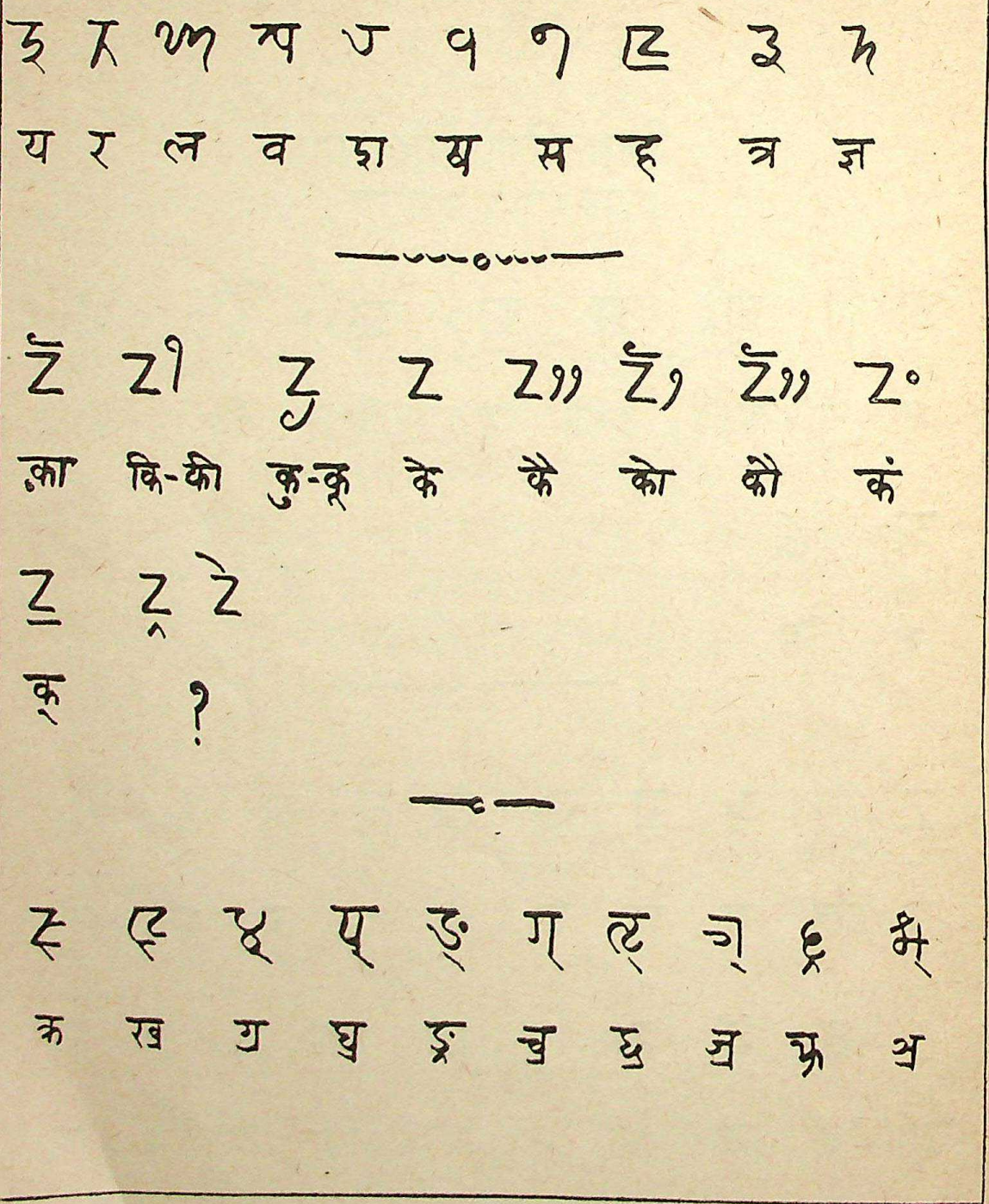

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

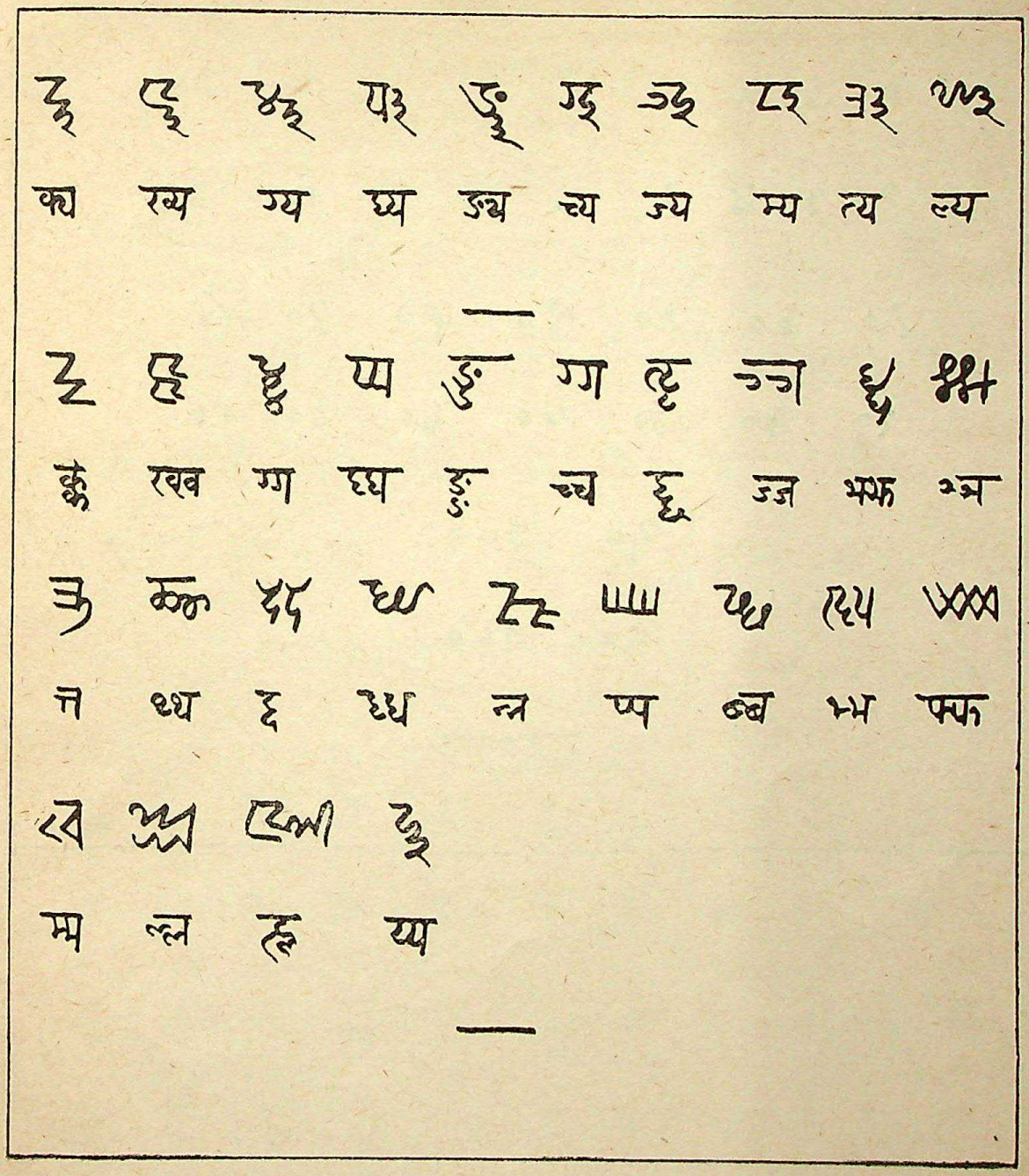

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्राचीन लिपि वर्णमाला

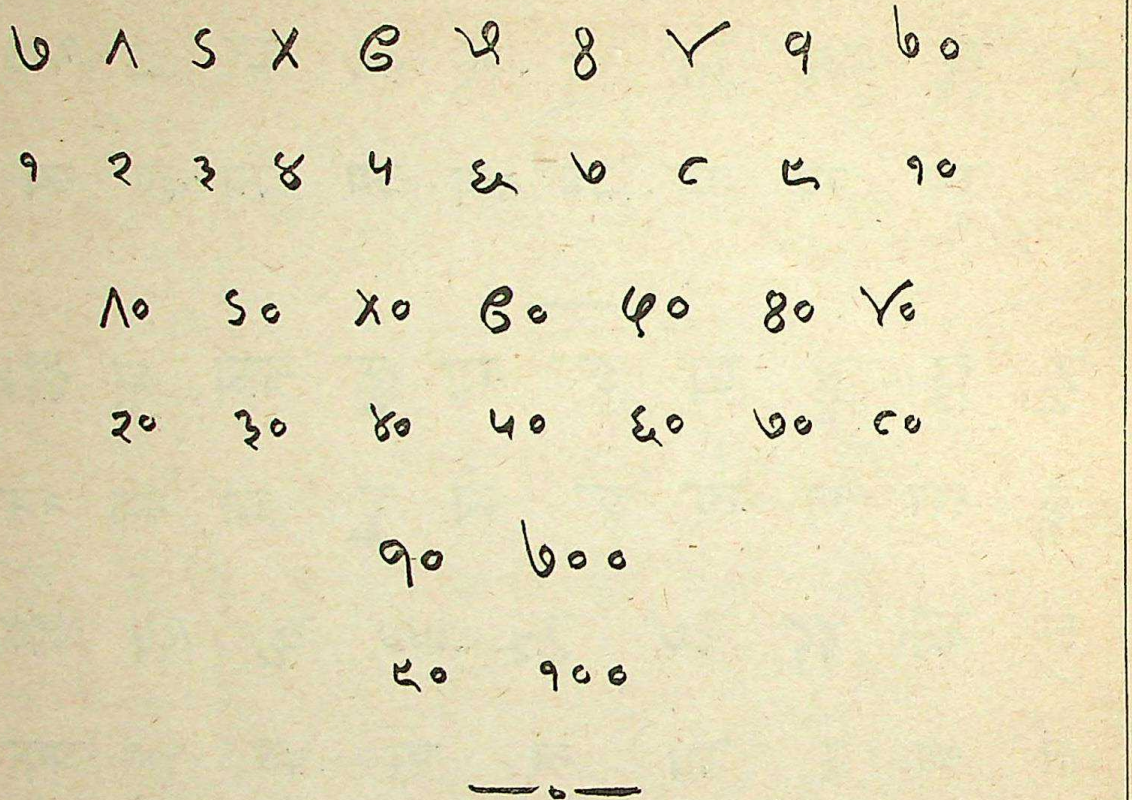

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

मिथिलाक्षर वर्णमाला

(स्वरवर्ण)

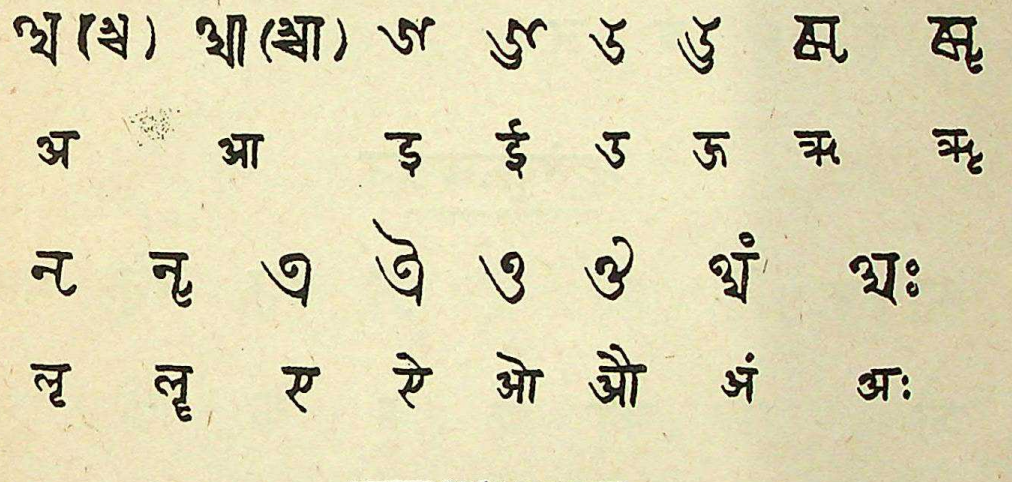

(व्यञ्जनवर्ण)

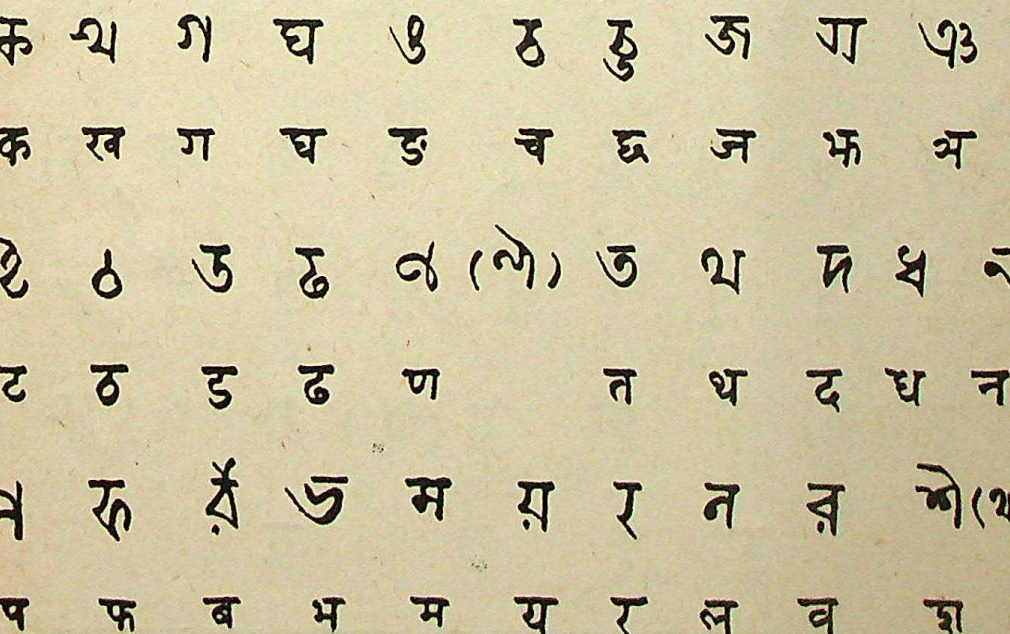

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

ष स ह क्ष त्र ज्ञ

ष स ह क्ष त्र ज्ञ

स्वरसंयुक्तव्यञ्जन

क का (कॉ) कि की कु कू के कै को

क का कि की कु कू के कै को

कौ कं कः ॥ ख खा खि खी खु खू

कौ कं कः ॥ ख खा खि खी गु णु

गु घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ

तु नु पु यु रु लु शु षु सु हु ह

ऋ ॠ (ऌ) ऍ ऎ ऐ (ऑ) ऒ ओ (औ)

ऋ ॠ ऌ ॡ ॢ ॣ

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

(संयुक्ताक्षरवर्ण)

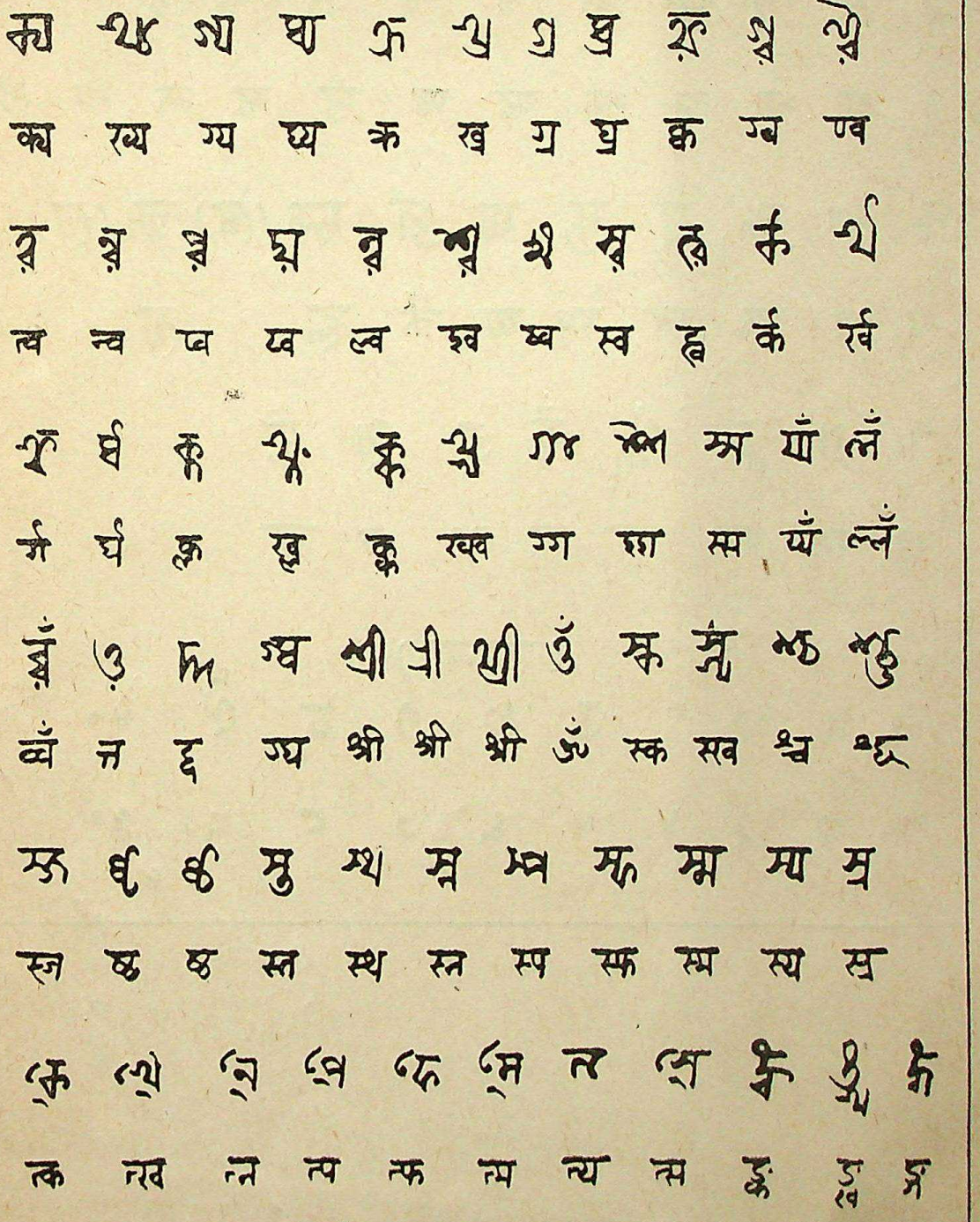

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

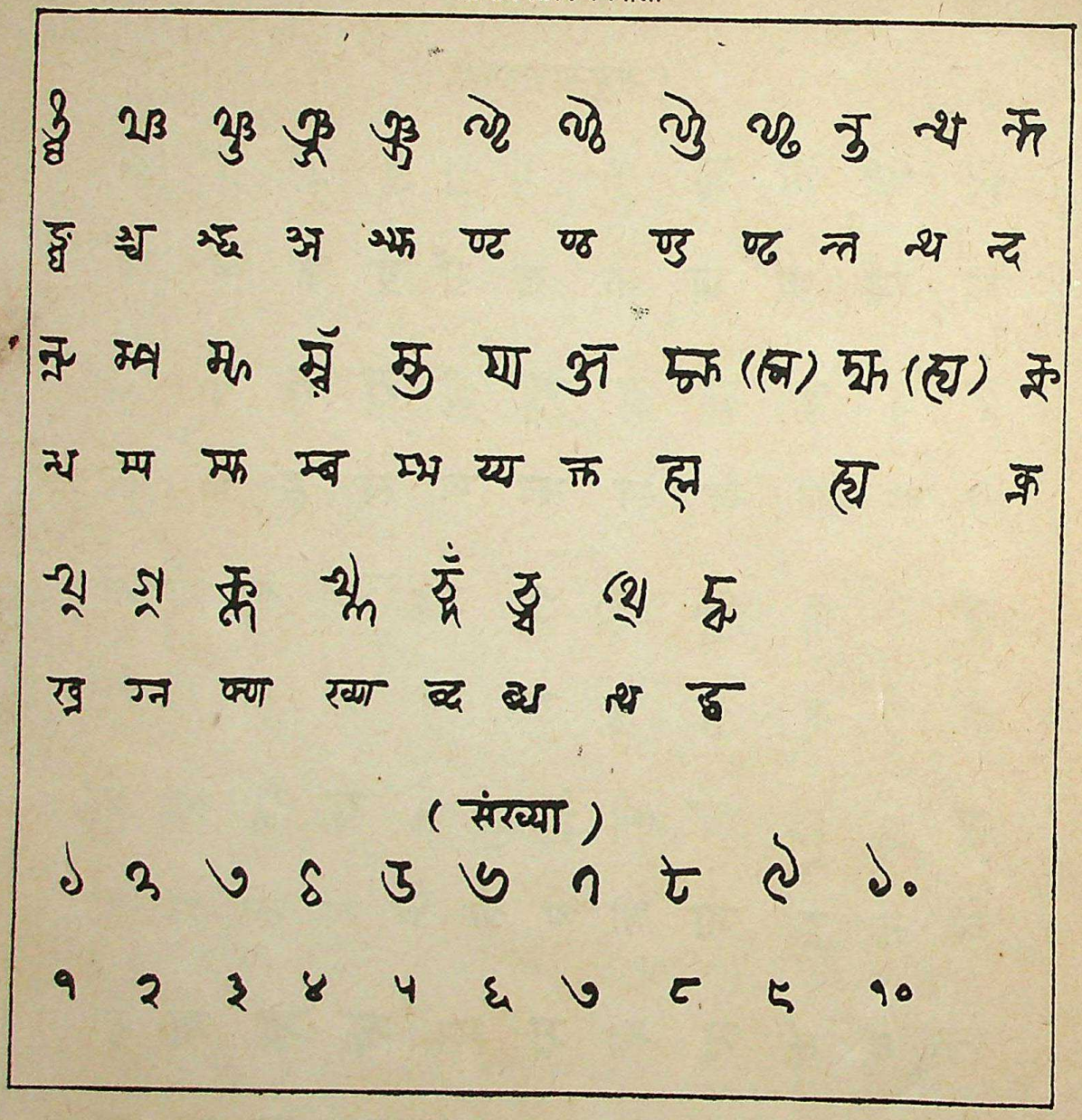

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

11488
CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Printed by—King Half-Tone Co., 22, Nirmal Chunder Street. Calcutta-12.